ASTHMA

अस्थमा

- Asthma/Bronchitis/Breathlessness
- अस्थमा की मॉडर्न दवाओं के साइड इफ़ेक्ट
- HOW AYURVEDA TREAT ASTHMA..!

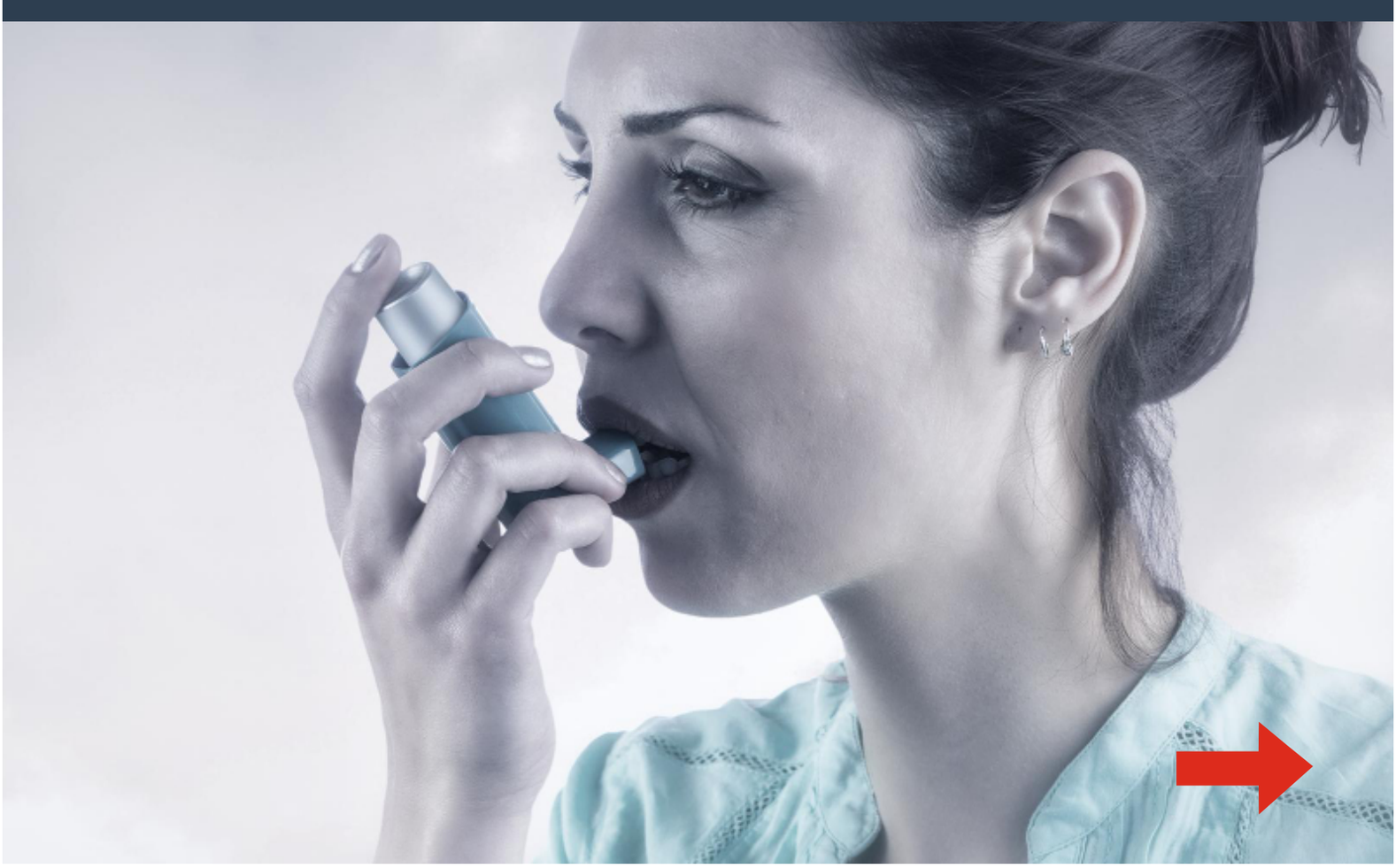

ASTHMA / BRONCHITIS / BREATHLESSNESS

अस्थमा व ब्रोंकाइटिस जैसी बीमारियाँ फेफड़ो को प्रभावित करती हैं, जिससे सांस लेने में तकलीफ होती है। यह रोग खास समय पर या खास वातावरण में लोगों को ज्यादा प्रभावित करता है। यह स्त्री, पुरूष और बच्चे, किसी को, किसी भी आयु में हो सकता है। प्रायः रोगियों को सांस फूलने का दौरा पड़ता है, कभी तो यह दौरा शीघ्र समाप्त हो जाता है और कभी दिन-हफ्ते-महीने तक लग जाते हैं। मानसिक तनाव या अधिक उत्तेजित होने पर भी ये दौरे पड़ सकते है।

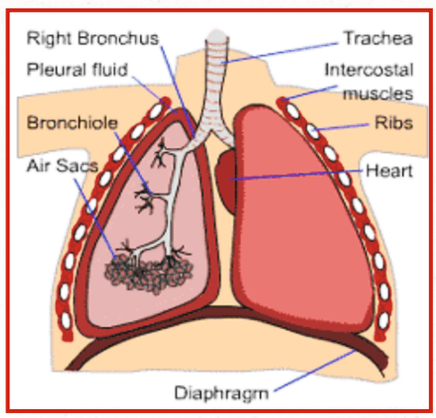

सांस फूलने पर Trachea या श्वास नली सिकुड़ कर तंग हो जाती है या सूज जाती है, जिससे फेफड़ों में स्थित कार्बन-डाईआक्साइड (Co_2) मिली वायु मुश्किल से बाहर निकल पाती है। इसी कठिनाई के कारण श्वास लेने के लिए ज़ोर पड़ता है जिससे सांय-सांय की ध्वनि होती है। श्वास नलिकाओं से रिसने वाली बलगम सांस लेने में परेशानी पैदा करती है। ऐसिटाईल कोलीन और हिस्टामिन (Acetylcholine & Histamine) बढ़ जाते हैं। ऐसे रोगियों को Allergy भी अधिक होती है। श्वास नलिकाओं में सूजन आने के कारण धूम्रपान, धूल या दूषित वायु आदि द्वारा संक्रमण हो सकता है। इसी प्रकार Bronchitis या Lung Polyps जैसे रोग के लक्षण भी लगभग ऐसे ही होते हैं, जो आयुर्वेद के अनुसार कफ दोष के कारण होते हैं। इन दोषों को बैलेंस करके फेफड़ों से सम्बंधित सभी बीमारियों को ठीक किया जा सकता है। उचित आहार- खान-पान, उचित जीवन शैली तथा व्यायाम-प्राणायाम-योग और प्रभावकारी आयुर्वेदिक औषधियों के प्रयोग से ये बीमारियाँ आसानी से ठीक हो सकती हैं। धीरे-धीरे फेफड़े मजबूत होने लगते हैं, सांस की तकलीफ कम हो जाती है और Inhaler की जरूरत भी नहीं पड़ती। फेफड़ों के सभी रोग आयुर्वेदिक चिकित्सा से ठीक हो सकते हैं।

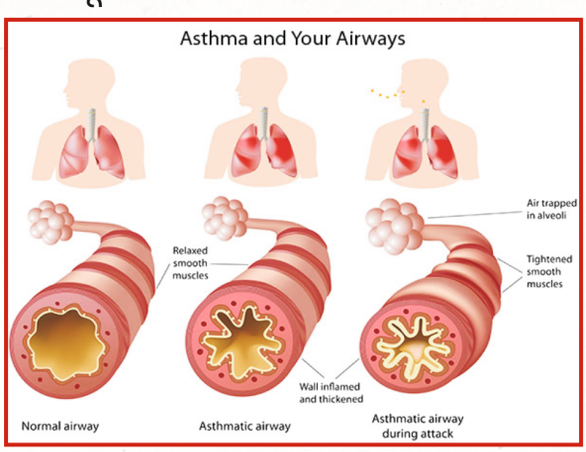

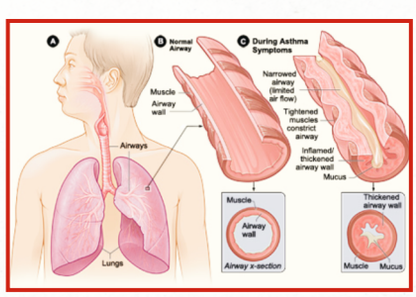

पूरे भारत में हमारे 80+ क्लीनिक व 40+ से अधिक हॉस्पिटल व डे केयर सेंटर हैं

स्वर्गीय राजीव दीक्षित जी

क्या आप अस्थमा रोग से परेशान हैं ?

जीना सीखो आयुर्वेद हॉस्पिटल में पाएँ किडनी स्टोन की समस्या का समाधान

आज ही अपनी अपॉइंटमेंट बुक करें।

कॉल करें: 82704-80704

अस्थमा की मॉडर्न दवाओं के साइड इफ़ेक्ट

Common Asthma medicines used with there side effects-

- Corticosteroids
- Albuterol
- Immunomodulators
- Long- acting beta agonists (LABA) Terbutaline
- Methylxanthines
- Prednisone
- Levalbuterol
- Mast cell stabilizers
- Beta antagonists
- Mepolizumab
- Theophylline
- Combination inhalers
- Bronchodilator inhalers

SALBUTAMOL से हो सकते हैं Serious allergic reaction &
Muscle pain, Abnormal heartbeat, Low potassium
Very bad dizziness or you can pass out.

https://www.nhs.uk/medicines/salbutamol-inhaler/

लंबे समय तक कॉन्बिनेशन इन्हेलर इस्तेमाल करने से बोन मिनिरल डेंसिटी कम होती है और रेस्पिरेट्री इंफेक्शन का रिस्क बढ़ता है

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC7713222/

SABAs (अस्थमा की दवाइयाँ)
Lung Function को कम करती हैं

https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/15182272/

Inhaled corticosteroids can affect the hypothalamo-pituitary-adrenal axis.

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC4319197/#:~:text=Inhaled%20corticosteroids%20can%20affect%20the,avoid%20these%20systemic%20side%20effects

अस्थमा की मॉडर्न दवाओं के साइड इफ़ेक्ट

Side effects may include:

- Adrenal suppression
- Bone loss
- Skin thinning
- Increased cataract formation
- Decreased linear growth in children
- Metabolic changes
- Behavioral abnormalities

https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/7847437/

Skin Thinning | bruising | Abnormal Weight Gain Behaviour Changes

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC4497315/#:~:text=Skin%20thinning%20and%20bruising%20have%20also%20been%20previously%20associated%20with%20ICS.&text=Other%20reported%20side%20effects%20to,in%20relation%20to%20ICS%20use

ICS का इस्तेमाल बच्चों की ग्रोथ को इफेक्ट करता है

https://www.sciencedirect.com/science/article/pii/S095461110500510X

Side effects including- Palpitations, Tachycardia, Hyperactivity disorder, Insomnia, Nervousness, Shakiness and Unpleasant Taste

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC4707606/#:~:text=Examples%20of%20possible%20mild%20or,inhalation%20site)%20%5B4%5D

अस्थमा में दी जाने वाली इन दवाईयों के निरंतर प्रयोग से हार्ट की बीमारियों की दर में वृद्धि हुई है

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC2650610/

HOW AYURVEDA TREAT ASTHMA..!

As per Ayurveda Bronchial Asthma is Vatakaphaja disease, it begins in the stomach, progresses to the lungs and bronchi. Hence the aim of treatment is to move the excess Kapha back to stomach and then eliminate it. Asthma is broadly classified into five types in Mahaswasa (Dyspnoea Major), Urdhawaswasa (Expiratory Dyspnoea), Chinna swasa (Chyne-Stroke Respiration), Kshudra swasa (Dyspnoea Minor), Tamaka Swasa (Bronchial Asthma). हमारे हॉस्पिटल HiiMS में पंचकर्म, योग, डाइट, नेचुरोपैथी, आयुर्वेदिक व होम्योपैथिक दवाईयां की मदद लाइफस्टाइल में बदलाव करके अस्थमा का समाधान किया जाता है।

यह रहे कुछ रिसर्च पेपर जो यह बताते हैं कि डाइट, योग और हर्बल ट्रीटमेंट के द्वारा Asthma का उपचार किया जा सकता है -

Polyherbal combinations and Padmapatradi yoga is said to be safe and effective in asthma

https://www.the-qrcode-generator.com/

The role of nutrition in asthma prevention and treatment

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC7550896/

An evidence based review on Ayurvedic management of Tamaka Shwasa (Bronchial Asthma)

https://www.researchgate.net/publication/273454749_AN_EVIDENCE_BASED_REVIEW_ON_AYURVEDIC_MANAGEMENT_OF_TAMAKA_SHWASA_BRONCHIAL_ASTHMA#:~:text=of%20diseases%20globally.-,The%20present%20study%20was%20a%20review%20on%20the%20management%20of,required%20for%20management%20of%20asthma